भारत सरकार

जल शक्ति मंत्रालय

जल संसाधन, नदी विकास और गंगा संरक्षण विभाग

निर्गम - परिणाम मॉनिटरिंग फ्रेमवर्क दस्तावेज: 2020-21

मांग सं. 61

जल संसाधन, नदी विकास और गंगा संरक्षण विभाग

(500 करोड़ रूपए या इससे अधिक वित्तीय परिव्यय वाली योजनाएं)

जल शक्ति मंत्रालय **मांग सं. 61**

जल संसाधन, नदी विकास और गंगा संरक्षण विभाग

1. राष्ट्रीय नदी संरक्षण योजना (सीएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2020-21			परिणाम 2020-21		
2020-21	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21
840.01	1. गंगा नदी में सीवेज अपशिष्ट को सीधे गिरने से रोककर गंगा नदी का संरक्षण, स्थिरीकरण और संतुलन	1.1. सीवेज शोधन संयंत्रों की संख्या	4	1. 2022 तक निर्धारित नहाने के मानकों के अनुरूप बेहतर जल गुणवत्ता को हासिल करना।	1.1. जल गुणवत्ता को बेहतर करना - बीओडी में कमी और डीओ में बढोत्तरी के हिसाब से जल गुणवत्ता को बेहतर बनाना	लक्ष्य निर्धारित नहीं किए जा सकते।
		1.2. सीवेज शोधन क्षमता (एमएलडी)	437			

2. राष्ट्रीयच गंगा योजना और घाट कार्य - नमामि गंगे (सीएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2020-21			परिणाम 2020-21		
2020-21	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21
800.01	**क. राष्ट्रीय गंगा योजना**					
	1. गंगा नदी में औद्योगिक अपशिष्ट को गिरने से रोककर और जल की गुणवत्ता निगरानी द्वारा प्रदूषण की रोकथाम	1.1. अनुपालन न करने वाले सकल प्रदूषणकारी उद्योगों की संख्या में कमी	110[101]	1. 2022 तक निर्धारित नहाने के मानकों के अनुरूप बेहतर जल गुणवत्ता को हासिल करना।	1.1. बी.ओ.डी. कंटेंट में परिवर्तन	बी.ओ.डी.≤ 3 मि.ग्रा./ ली.
		1.2. स्थापित जल गुणवत्ता निगरानी स्टेशन की संख्या (मैन्यूअल-डब्ल्यूक्यूएमएस)	96		1.2. डीओ कंटेंट में परिवर्तन	डी. ओ. ≥ 5 मि.ग्रा./ ली.

[101] *क्योंकि 2019 में 1072 जीपीआई का निरीक्षण अभी पूर्ण होना है, अतः 2019-20 को यथावत रखा गया है।*

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2020-21			परिणाम 2020-21		
2020-21	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21
		1.3. स्थापित जल गुणवत्ता निगरानी स्टेशन की संख्या (स्थापित की जाने वाली नई-आरटीडब्ल्यूक्यूएमएस)	40[102]			
	2. गंगा नदी में सीवेज अपशिष्ट को सीधे गिरने से रोककर गंगा नदी का संरक्षण, स्थिरीकरण और संतुलन	2.1. सीवेज शोधन संयंत्रों की संख्या	13	2. 2022 तक निर्धारित नहाने के मानकों के अनुरूप बेहतर जल गुणवत्ता को हासिल करना।	2.1. जल गुणवत्ता को बेहतर करना	लक्ष्य निर्धारित नहीं किए जा सकते।
		2.2. सीवेज शोधन क्षमता (एमएलडी)	140			
	3. सामाजिक और सांस्कृतिक कार्यक्रमों के लिए नदी के किनारों पर स्वच्छता बनाए रखना और बेहतर इनफ्रांस्ट्रक्चर प्रदान करना।	3.1. घाटों का निर्माण/ आधुनिकीकरण	6	3. जन भागीदारी के लिए सामाजिक आऊटरीच और स्वास्थ्यवर्धक तथा हाईजेनिक प्रैक्टिस में बढोत्तरी करना।	3.1. घाट और शवदाहगृह में बढा हुआ % फुटफॉल।	लक्ष्य निर्धारित नहीं किए जा सकते।
	4. गंगा नदी में बिना जले पार्थिव शरीरों को बहने से रोककर और शवदाह संस्कारों के लिए बेहतर इंफ्रास्ट्रक्चर	4.1. शवदाहगृहों का निर्माण/ विकास	6			
	5. आईईसी गतिविधियां	5.1. मेलों / सामूहिक स्नानों / प्रदर्शनियों /प्रतियोगिताओं /विज्ञापन/ सोशल मीडिया में आईईसी गतिविधियों का प्रयोग तथा निरंतर कार्यक्रम - पूरे वर्ष, पखवाडे के दौरान	कार्यान्वित किया गया	4. आईईसी कार्यकलापों के माध्यम से जागरूकता और व्यवहार में बदलाव लाना।	4.1. % लोगों में अभियान का प्रत्याह्वान।	लक्ष्य निर्धारित नहीं किए जा सकते।

[102] *36 (मौजूदा आरटीडब्ल्यूक्यूएमएस), 40 स्थापित की जाने वाली नई-आरटीडब्ल्यूक्यूएमएस*

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2020-21			परिणाम 2020-21		
2020-21	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21
		जनजागरूकता अभियानों सहित आईईसी कार्यकलाप (गंगा स्वच्छता पखवाडा स्वच्छता ही सेवा और वृक्षारोपण अभियान इत्यादि)[103] (कार्यान्वित किया गया/ कार्यान्वित नहीं किया गया)				
	6. गंगा नदी बेसिन में गंगा की सफाई के लिए जलीय जीव जन्तुओं के संरक्षण और पारिस्थितिकीय सेवाओं के रख-रखाव की योजना और प्रबंधन।	6.1. संबंधी संरक्षण की प्रजातियों की और नदी में निवास करने वाली प्रजातियों की मौजूदा स्थिति का आकलन - गंगा बेसिन की चुनी हुई सहायक नदियों में पारिस्थितिकीय सर्वेक्षण को किया जाना है।	लक्ष्य निर्धारित नहीं किए जा सकते।	5. गंगा बेसिन की चुनी हुई सहायक नदियों में उच्च जैव विविधता वाले क्षेत्र की पहचान।	5.1. गंगा बेसिन में चुनी हुई सहायक नदियों के लिए जन्तु वितरण नक्शे तैयार किए गए। (हाँ / नही)	लक्ष्य निर्धारित नहीं किए जा सकते।[104]
		6.2. राज्यों की चुनी हुई सहायक नदियों के लिए वन विभाग और दूसरे हितधारक समूह के लिए क्षमता निर्माण कार्यक्रम की संख्या। - गंगा बेसिन की चुनी हुई सहायक नदियों में	लक्ष्य निर्धारित नहीं किए जा सकते।	6. राज्य की गंगा बेसिन में चुनी हुई सहायक नदियों में राज्यों के अग्रणी दलों की स्थापना।	6.1. प्रशिक्षित कामगारों की संख्या - जिनके द्वारा उनके संबंधित राज्यों में संरक्षण कार्यक्रमों को आगे बढ़ाया	लक्ष्य निर्धारित नहीं किए जा सकते।[105]

[103] *वर्ष भर चलाई गई आईईसी गतिविधियों में पखवाड़ा जन जागरूकता अभियान (गंगा स्वच्छता पखवाड़ा, स्वच्छता ही सेवा और वृक्षारोपण अभियान आदि), जल और अपशिष्ट जल प्रबंधन से संबंधित घटनाओं और सार्वजनिक महत्व के अन्य कार्यक्रमों के दौरान स्थानीय त्योहारों और उत्सव कार्यक्रम (कान्हा यात्रा, चार धाम यात्रा, माघ मेला, कुंभ (हरिद्वार), दीप दीपावली और कार्तिक पूर्णिमा आदि) प्रदर्शनियां शामिल हैं।*

[104] *पारिस्थितिकी सर्वेक्षण और साहित्य समीक्षा और ब्रोशर, पुस्तिकाओं के रूप में सूचना*

[105] *अग्रणी दल, दूसरे हितधारक समूह, प्रशिक्षण पाठ्यक्रम विकास और क्षमता निर्माण की पहलों की पहचान करना।*

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2020-21			परिणाम 2020-21		
2020-21	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21
		राज्यों के प्रशिक्षित वन विभागों, पशु-चिकित्सकों और स्थानीय समुदायों, की जैव विविधता को आगे ले जाना और नदी की प्रजातियों की निगरानी और बचाव कार्य।			जायेगा	
		6.3. चुनी हुई सहायक नदियों में गंगा प्रहरियों के लिए विभिन्न हितधारकों और आजीविका प्रशिक्षणों के साथ जागरूकता और संवेदीकरण कार्यशालाएं और कौशल विकास गतिविधियाँ आयोजित की गई। - गंगा जलीय जैव विविधता के प्रति स्टेक होल्डर जागरूक हैं। स्थानीय समुदाय सतत आजीविका के लिए प्रशिक्षित किए गए। गंगा प्रहरी संवर्ग पर विस्तार।	लक्ष्य निर्धारित नहीं किए जा सकते।	7. स्थानीय समुदाय और अन्य हितधारक जलीय जैव विविधता के बारे में जागरूक हैं और इसके संरक्षण के लिए सहयोग करने के लिए तैयार हैं। गंगा प्रहरी संरक्षण कार्यक्रमों में शामिल रहे हैं।	7.1. आयोजित किये गए जागरूकता और संरक्षण कार्यक्रम की संख्या। (गंगा प्रहरियों के द्वारा स्थानीय लोगों के लिए).	लक्ष्य निर्धारित नहीं किए जा सकते।[106]
				8. स्थानीय समुदायों ने सतत आजीविका को अपनाया है।	8.1. स्थानीय लोगों की संख्या जिन्हें वैकल्पिक आजीविका के लिए प्रशिक्षण दिया गया।	लक्ष्य निर्धारित नहीं किए जा सकते।[106]

[106] *गंगा बेसिन में गंगा प्रहरी संवर्ग को गंगा नदी की चुनी हुई सहायक नदियों तक विस्तार दिया गया। गंगा बेसिन की चुनी हुई सहायक नदियों के महत्वपूर्ण स्थलों पर हितधारक कार्यशाला का आयोजन किया गया। चुने गए स्थानों पर आजीविका प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए गए।*

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2020-21			परिणाम 2020-21		
2020-21	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21
				9. जैव विविधता संवेदीकरण ग्रामीण स्तर आयोजना का संवर्धन।	9.1. आयोजित किये गए लघु योजना कार्यकलापों की संख्या।	लक्ष्य निर्धारित नहीं किए जा सकते।[106]
		6.4 गंगा की कार्प मछली, महासीर और हिल्सा की उपलब्धता में बढोत्तरी। गंगा नदी के चयनित स्थलों पर भारतीय प्रमुख कार्प्स मछली, महसीर और हिलसा (10 लाख) जैसी स्वदेसी मछली प्रजातियों का पालन (कार्यान्वित किया गया/ कार्यान्वित नहीं किया गया)	कार्यान्वित किया गया	10. गंगा नदी में संवर्धित मछली जैव विविधता। मछुआरों के समुदायों में मछली जैवविविधता संरक्षण जागरूकता को बढाना।	10.1. अपनाए जाने वाले उत्कृष्ट पेशे की (%)	लक्ष्य निर्धारित नहीं किए जा सकते।
	7. वृक्षारोपण	7.1. वृक्षारोपण के तहत शामिल क्षेत्र (हेक्टेयर में)[107]	लक्ष्य निर्धारित नहीं किए जा सकते।	11. वर्षण की गुणवत्ता और मात्रा में बढोत्तरी, जो नदी और अविरल धारा की संपूर्णता को बढाती और इसके लक्ष्यों को प्राप्त करने में मदद करेगी।	11.1. गंगा नदी के साथ वन के तहत शामिल क्षेत्र। (हेक्टेयर में)	लक्ष्य निर्धारित नहीं किए जा सकते।
	ख. घाटों का काम और नदी मुहाने का सौंदर्यीकरण					
	1. सामाजिक और सांस्कृतिक कार्यक्रमों के लिए नदी के	1.1. घाटों का निर्माण/ आधुनिकीकरण	10	1. जन भागीदारी के लिए सामाजिक आऊटरीच और	1.1. घाट और शवदाहगृह	लक्ष्य निर्धारित

[107] *वृक्षारोपण कार्य राष्ट्रीय और राज्य कैम्पा निधि माध्यम से पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय द्वारा होगा*

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2020-21			परिणाम 2020-21		
2020-21	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21
	किनारों पर स्वच्छता बनाए रखना और बेहतर इनफ्रांस्ट्रक्चर प्रदान करना।			स्वास्थ्यवर्धक तथा हाईजेनिक प्रैक्टिस में बढोत्तरी करना।	में बढा हुआ फुटफॉल।	नहीं किए जा सकते।

3. प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना (पीएमकेएसवाई) - (सीएसएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2020-21			परिणाम 2020-21		
2020-21	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21
4376.51[108] एचकेकेपी बजट संसाधन [2675.00 करोड़ रुपये की ऋण सर्विसिंग शामिल है।]	**त्वरित सिंचाई लाभ कार्यक्रम (एआईबीपी)**					
	1. 40 परियोजनाओं (चरण सहित) की एआईबीपी कार्यों के कार्यान्वयन में तेजी।	1.1. पूरा किए जाने वाली आईबीपी परियोजनाओं की संख्या।[109]	21	1. अतिरिक्त सिंचाई क्षमता का सृजन	1.1. कुल अतिरिक्त सृजन पीएमकेएसवाई-एआईबीपी के माध्यम से सृजित सिंचाई संभावना (लाख हेक्टेयर में)	5.62[110]
					1.2. पीएमकेएसवाई-एआईबीपी के माध्यम से सृजित इंफ्रास्ट्रक्चर द्वारा उपयोग की गई सिंचाई क्षमता का %	100%[111]
		1.2. कुल पूरा किए जाने वाली आईबीपी परियोजनाओं की संख्या	72	2. भूजल की पूर्ति और अन्य उपयोगों के लिए बढ़ती जल उपलब्धता के परिणामस्वरूप	2.1 पीएमकेएसवाई-एआईबीपी से सिंचाई में बढोत्तरी से फसल में पैदावार में वृद्धि	लक्ष्य निर्धारित नहीं किए जा सकते।

[108] *हर खेत को पानी बजटीय संसाधन (2675.00 करोड़ रूपए ऋण भुगतान समेत)*

[109] *मार्च, 2020 तक 11 परियोजनाओं के पूरा होने का लक्ष्य है। मार्च, 2021 तक 21 परियोजनाओं के पूरा होने का लक्ष्य है। कुल पूरी होने वाली परियोजनाएं - 72*

[110] *जून, 2021 तक*

[111] *सीएडीडब्ल्यूएम, कृषि विस्तार कार्य इत्यादि को 100% पूरा करना।*

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2020-21			परिणाम 2020-21		
2020-21	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21
				किसानों की आय और फसल पैदावार में बढोत्तरी।	2.2 पीएमकेएसवाई-एआईबपी के कारण भूजल स्तर में बढोत्तरी।	लक्ष्य निर्धारित नहीं किए जा सकते।
	ख. हर खेत को पानी (एचकेकेपी)					
	i. कमान क्षेत्र विकास एवं जल प्रबंधन (सीएडीडब्ल्यूएम)					
	1. पहचान की गई प्राथमिकता वाली परियोजनाओं में सीएडीडब्ल्यूएम काम प्रगति पर रहेगा	1.1. शामिल कृष्य कमान क्षेत्र (लाख हेक्टेयर में)	5[112]	1. सृजित सिंचाई संभावना और इसकी उपयोगिता के बीच अंतराल को कम करना	1.1. अतिरिक्त कृष्य कमान क्षेत्र में सिंचाई क्षमता की उपयोगिता (लाख हेक्टेयर में)	5
		1.2. सृजित जल प्रयोक्ता संघों की संख्या	1000	2. गठित जल प्रयोक्ता संघ के माध्यम से सहभागी सिंचाई प्रबंधन में शामिल कमान क्षेत्र (लाख हेक्टेयर में)	1.2. गठित जल प्रयोक्ता संघ के माध्यम से सहभागी सिंचाई प्रबंधन में शामिल कमान क्षेत्र (लाख हेक्टेयर में)	5
	ii. सतही लघु सिंचाई (एसएमआई) एवं जल निकायों की मरम्मत, नवीकरण एवं पुनरूद्धार (आरआरआर)					
	1. योजना के आरआरआर/एसएमआई घटक के कार्यो में तेजी	1.1. पूरी की जाने वाली आरआरआर और एसएमआई परियोजनाओं की संख्या (परियोजनाएं/ जल निकाय)	100	1. अतिरिक्त सिंचाई क्षमता का सृजन	1.1. सृजित अतिरिक्त सिंचाई क्षमता (लाख हेक्टेयर में)	0.50
	iii. भूजल					
	1. भूजल अमूर्त संरचनाओं का	1.1. पंपों, पाइपों / सुरक्षित ब्लॉकों / जिलों के साथ	4,779	1. अतिरिक्त सिंचाई क्षमता का विकास।	1.1. अतिरिक्त कमान क्षेत्र का सृजन (हेक्टेयर में)	19,116

[112] *5.00 लाख हेक्टेयर के कृष्य कमान क्षेत्र में शेष सीएडी कार्य*

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2020-21			परिणाम 2020-21		
2020-21	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21
	निर्माण: असम	कुओं का निर्माण: असम [113]		2. किसानों को सिंचाई सुविधा।	2.1. लाभान्वित किसानों की संख्या	19,643
	2. भूजल अमूर्त संरचनाओं का निर्माण: अरूणाचल प्रदेश	2.1. पंपों, पाइपों / सुरक्षित ब्लॉकों / जिलों के साथ कुओं का निर्माण: अरूणाचल प्रदेश[113]	473	3. अतिरिक्त सिंचाई क्षमता का विकास।	3.1. अतिरिक्त कमान क्षेत्र का सृजन (हेक्टेयर में)	1,785
				4. किसानों को सिंचाई सुविधा।	4.1. लाभान्वित किसानों की संख्या	3,350
	3. भूजल अमूर्त संरचनाओं का निर्माण: गुजरात	3.1. पंपों, पाइपों / सुरक्षित ब्लॉकों / जिलों के साथ कुओं का निर्माण: गुजरात[113]	2,512	5. अतिरिक्त सिंचाई क्षमता का विकास।	5.1. अतिरिक्त कमान क्षेत्र का सृजन (हेक्टेयर में)	3,768
				6. किसानों को सिंचाई सुविधा।	6.1. लाभान्वित किसानों की संख्या	3,655
	4. भूजल अमूर्त संरचनाओं का निर्माण: त्रिपुरा	4.1. पंपों, पाइपों / सुरक्षित ब्लॉकों / जिलों के साथ कुओं का निर्माण: त्रिपुरा[113]	231	अतिरिक्त सिंचाई क्षमता का विकास।	7.1. अतिरिक्त कमान क्षेत्र का सृजन (हेक्टेयर में)	339
				o. किसानों को सिंचाई सुविधा।	8.1. लाभान्वित किसानों की संख्या	851
	सिंचाई गणना - पृथक घटक					
	1. 6वीं एमआई गणना के साथ जल निकायों की गणना करना	1.1. राज्य/संघ राज्य क्षेत्र द्वारा एमआई की छठी गणना और जल निकायों पहली गणना के लिए फील्ड कार्यों का निष्पादन (हाँ / नही)[109]	हाँ	1. लघु सिंचाई क्षेत्र में सूचित की गई जानकारी के साथ नीति निर्धारण।	1.1. छठी एमआई गणना के साथ जल निकायों की गणना से संबंधित रिपोर्ट के डाउनलोड की संख्या	लक्ष्य निर्धारित नहीं किए जा सकते। [114]

[113] *योजना चरण के कार्यान्वयन के बाद भूजल विकास 70% से अधिक नहीं होना चाहिए*

[114] *चूंकि 6 वीं एमआई जनगणना और जल निकायों की जनगणना 2018-19 में शुरू की गई है, जनगणना की रिपोर्ट 2020-2021 में प्रकाशित होने की संभावना है। इसलिए, जनगणना रिपोर्ट प्रकाशित होने के बाद ही लक्ष्य चालू होगा।*

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2020-21			परिणाम 2020-21		
2020-21	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21
		1.2. राज्य/संघ राज्य क्षेत्र द्वारा एमआई की छठी और जल निकायों की गणना के लिए आंकडा प्रविष्टियों, उनका वैधीकरण और उनको अद्यतन सहित आंकडा संबंधी प्रक्रियाओं को करना। (हाँ / नही)[109]	हाँ		1.2. छठी एमआई गणना के साथ जल निकायों की गणना के संबंध में संस्थानों और संगठनों (निजी और सार्वजनिक) द्वारा अनुरोध किए गए आंकडों की संख्या	लक्ष्य निर्धारित नहीं किए जा सकते।[110]
					1.3. छठी एमआई के साथ जल निकायों की गणना में सृजित दृष्टांतों/संदर्भों की संख्या	लक्ष्य निर्धारित नहीं किए जा सकते।[110]
	घ) महाराष्ट्र में सिंचाई परियोजना के लिए विशेष पैकेज					
	1. बड़ी एवं मध्यम सिंचाई (एमएमआई) और सतही लघु सिंचाई (एसएमआई) परियोजना का त्वरित कार्यान्वयन	1.1. पूरी हुई बडी और मध्यम सिंचाई परियोजनाओं (एमएमआई) की संख्या	2	1. विशेष पैकेज के तहत आने वाली परियोजनाओं के कमांड में अतिरिक्त सिंचाई क्षमता का सृजन और उपयोग।	1.1. सृजित अतिरिक्त सिंचाई क्षमता (लाख हेक्टेयर में)	0.96
					1.2. उपयोग की गई सिंचाई क्षमता का %[115]	लक्ष्य निर्धारित नहीं किए जा सकते।
		1.2. पूरी हुई सतही लघु सिंचाई (एसएमआई) परियोजनाओं की संख्या	9	2. भूजल स्तर में सुधार और दूसरे उपयोगों में के लिए जल उपलब्धता में वृद्धि के परिणामस्वरूप फसल पैदावार में बढोत्तरी हुई है, जिससे किसानों की आय बढी है।	2.1. पीएमकेएसवाई-एआईबीपी से फलस पैदावार में बढोत्तरी जिससे सिंचाई क्षमता बढी है।	लक्ष्य निर्धारित नहीं किए जा सकते।
					2.2. पीएमकेएसवाई-एआईबीपी के कारण भूजल स्तर में सुधार हुआ है।	लक्ष्य निर्धारित नहीं किए जा सकते।

[115] *सिंचाई क्षमता उपयोग सीएडीडब्ल्यूएम कार्यों, कृषि विस्तार कार्यों आदि पर निर्भर करती है।*

4. बाढ प्रबंधन और सीमा क्षेत्र कार्यक्रम (एफएमबीएपी) - (सीएसएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2020-21			परिणाम 2020-21		
2020-21	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21
750.00	1. नदी प्रबंधन का निष्पादन, कटाव-रोधी, बाढ़ नियंत्रण, नुकसान की भरपाई, बाढ़ प्रबंधन कार्य और महत्वपूर्ण क्षेत्रों में समुद्र कटाव रोधी कार्य	1.1. चालू 83 परियोजनाओं में से पूरे हुए बाढ़ प्रबंधन कार्यों की कुल संख्या[116]	83	1. चुनी हुई नदियों के आवाह क्षेत्र में बाढ़, नदी कटाव के कारण हुए नुकसान में कमी।	1.1. कार्य के तहत लाभान्वित होने वाली कुल जनसंख्या	लक्ष्य निर्धारित नहीं किए जा सकते।
					1.2. नए निर्माण कार्य के कारण संरक्षित कुल क्षेत्र (लाख हेक्टेयर में)	लक्ष्य निर्धारित नहीं किए जा सकते।
	2. भारत और नेपाल द्वारा पंचेश्वर बहुउद्देशीय परियोजना (पीएमपी) की डीपीआर को अंतिम रूप देने, पीएमपी की पूर्व-निर्माण गतिविधियों और सप्त कोसी उच्च बांध और सूर्य-कोसी	2.1. भारत और नेपाल दोनों देशों द्वारा पंचेश्वर बहुउद्देशीय परियोजना की डीपीआर को अंतिम रूप दिया जाना (हाँ/ नही)	हां	2. चुनी हुई नदियों के आवाह क्षेत्र में बाढ़, नदी कटाव और संबंधित पीएमपी के निर्माण पूर्व कार्यों के कारण हुए नुकसान में कमी।	2.1 पंचेश्वर बहुउद्देशीय परियोजना का जब निर्माण और संचालन शुरू होगा तब इससे निम्नलिखित फायदे प्राप्त होंगे: विद्युत: 5040 मे.वा. (भारत को 2520 मे.वा. और नेपाल को 2520 मे.वा.) सिंचाई: 0.43 मिलियन	लक्ष्य निर्धारित नहीं किए जा सकते।[117]
		2.2. सप्तकोसी उच्च बांध और सबकोसी डायवर्जन योजना की डीपीआर तैयारी	हाँ			

[116] *नई परियोजनाएं शुरू करने के लिए नीति आयोग के तहत एक समिति का गठन किया गया है, जो मार्च, 2020 की अवधि के लिए स्कीम की रूपरेखा को अंतिम रूप देगी।*

[117] *चूंकि, परियोजना डीपीआर/समीक्षा चरण में है इसलिए इसके परिणामों की गणना नहीं की जा सकती।*

वितीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2020-21			परिणाम 2020-21		
2020-21	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21
	डायवर्जन योजना आदि की तैयारी के साथ-साथ सीमा क्षेत्र की परियोजनाओं में अन्य बाढ़ प्रबंधन कार्यों में तेजी लाना।	के लिए कार्रवाई (हाँ / नही)			हेक्टेयर (भारत में 0.26 मि.हे. + नेपाल में 0.17 मि.हे.) ग. बाढ नियंत्रण लाभ	
		2.3.नेपाल क्षेत्र की कोसी और गंडक नदी के तटबंधों का रख-रखाव। (हाँ / नही)	हाँ			

(500 करोड़ रूपए से कम वित्तीय परिव्यय वाली योजनाएं)

जल संसाधन, नदी विकास और गंगा संरक्षण विभाग

1. फरक्का बैराज परियोजना - (केंद्रीय क्षेत्र की योजना):

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2020-21			परिणाम 2020-21		
2020-21	**निर्गम**	**संकेतक**	**लक्ष्य 2020-21**	**परिणाम**	**संकेतक**	**लक्ष्य 2020-21**
120.00 (सकल)	1. फरक्का बैराज और उससे जुड़े संरचना कार्यों का संचालन और रखरखाव	1.1. फरक्का बैराज के पुराने द्वारों को बदला जाना - क्रेस्ट	35	1. फीडर नहर के माध्यम से अपलैंड आपूर्ति में वृद्धि, जिससे भागीरथी-हुगली नदी प्रणाली और नौवहन क्षमता में सुधार और कोलकाता बंदरगाह का संरक्षण। भारत-बांग्लादेश गंगा नदी साझा जल संधि 1996 का कार्यान्वयन।	1.1. फीडर नहर, हुगली-भगीरथी नदी प्रणाली में जहाजों की सुगम आवाजाही को सरल और कामगार बनाना (हां / नहीं)	हां
		1.2. फरक्का बैराज के पुराने द्वारों को बदला जाना - स्ल्यूस के तहत	5			
		1.3. फरक्का बैराज के पुराने द्वारों को बदला जाना - फिश लॉक गेट	4			
		1.4. फरक्का बैराज के मूल अधिकार क्षेत्र में नदी / नहर तट संरक्षण / कटाव रोधी काम	2.5 कि.मी[1]		1.2. फीडर नहर से एनटीपीसी थर्मल पावर प्लांट को 2500 क्यूसेक जलापूर्ति (हां / नहीं)	हां

[1] *यह कार्य की प्रस्तावित लंबाई है। हालांकि, वास्तविक लंबाई बाद में एफबीपी के टीएसी की मंजूरी के साथ तय की जाएगी*

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2020-21			परिणाम 2020-21		
2020-21	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21
		1.5. फरक्का बैराज के द्वार संचालन प्रणाली का स्वचालन	40%			

2. बांध का पुनर्स्थापन और परियोजना सुधार (डीआरआईपी)- (केंद्र सेक्टर स्कीम):

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2020-21			परिणाम 2020-21		
2020-21	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2020-2	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21
55.00	1. बांध की सुरक्षा हालात में पुनर्वास द्वारा सुधार	1.1. गैर-ड्रिप राज्यों में बांधों की संख्या जहां धर्मा को लागू किया गया है।	50	. बांध की सुरक्षा हालात में पुनर्वास द्वारा सुधार	1.1. बांधों की संख्या जहां, आपात कार्य योजना/ आपदा प्रबंधन योजना लागू की गई।	15
	2. जल संसाधनों के ड्रिप अधिकारियों का क्षमता निर्माण	2.1. आयोजित किए गए राष्ट्रीय प्रशिक्षण कार्यक्रमों की संख्या	10	2. जल संसाधनों के अधिकारियों का क्षमता निर्माण	2.1. धर्मा में प्रशिक्षित ड्रिप अधिकारियों की संख्या	150
	3. आधुनिक जोखिम आधारित संकल्पना का	3.1. भूकंपीय खतरे की मैपिंग का एकीकरण (एम	1.29[2]	3. जल संसाधन विभागों और अन्य व्यवसाइयों की भूकंपीय तैयारी का	3.1. शाईस का विकास % (भूकंपीय खतरा मूल्यांकन सूचना	100%

[2] *दक्षिण भारत, उत्तर और पूर्वोत्तर भारत में*

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2020-21			परिणाम 2020-21		
2020-21	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21
	प्रयोग करते हुए बांध का व्यापक मूल्यांकन ""	वर्ग किमी.)		विस्तार करना।	प्रणाली)	

3. जल संसाधन सूचना तंत्र का विकास (डीडब्ल्यूआरआईएस) - (केंद्र सेक्टर स्कीम):

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2020-21			परिणाम 2020-21		
2020-21	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21
140.00	1. जल संसाधन सूचना प्रणाली के अंतर्गत आवश्यक डाटा बिन्दु एकत्रित करने के लिए अवसंरचना विस्तार।	1.1. हाईड्रोलॉजिकल डाटा संग्रहण- हाईड्रोलॉजिकल अवलोकन स्थलों की संख्या जहां आर एवं एम के कार्य किए गए।	1598	1. डब्ल्यूआरआईएस की बढ़ी हुई कवरेज	1.1. हाईड्रोलॉजिकल डाटा के लिए अवलोकन स्थलों की संख्या जहां नियमित अवलोकन किया गया।	1598
		1.2. जल गुणवत्ता डाटा का संग्रहण- जल गुणवत्ता निगरानी स्थल जहां आर एवं एम कार्य किए गए।	531		1.2. जल गुणवत्ता के लिए स्थलों की संख्या जहां नियमित अवलोकन किया गया।	531
		1.3. कुल स्थलों की संख्या और राज्य	6 राज्यों में 8 स्थान		1.3. तटीय प्रबंधन सूचना प्रणाली के तहत स्थलों	6 राज्यों में 8 स्थान

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2020-21			परिणाम 2020-21		
2020-21	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21
		जहां तटीय प्रबंधन सूचना प्रणाली संचालित की गई।			और राज्यों की संख्या जहां से डाटा एकत्र किया जा रहा है।	
		1.4. रियल टाइम स्टोरेज में जलाशयों की कुल संख्या।	140		1.4. रियल टाइम आधार पर आकलन किए गए जल की उपलब्धता के संबंध में जलाशयों की संख्या।	140
	2. बाढ़ पूर्वानुमान कार्य में कवरेज क्षेत्र और लीड समय में बढ़ोत्तरी	2.1. वर्षा आधारित बाढ़ पुर्वानुमान हाइड्रोडायनामिक बाढ़ पूर्वानुमान मॉडल- बाढ़ पूर्वानुमान स्टेशनों की संख्या जहां आर एवं एम कार्य किया गया।	325	2. बाढ़ के कारण जानमाल की हानि को न्यूनतम करना	2.1. समय से लोगों, पशुधन को बचाने के लिए 330 पूर्वानुमान स्टेशनों द्वारा जारी पूर्वानुमानों की संख्या।	10,000[3]
		2.2. वर्षा आधारित बाढ़ पुर्वानुमान हाइड्रोडायनामिक बाढ़ पूर्वानुमान मॉडल- जोड़े गए बाढ़ पूर्वानुमान स्टेशनों की संख्या।	5			

[3] *बहरहाल पूर्वानुमानों की वास्तविक संख्या 2020-21 में मानसून स्थितियों पर निर्भर करेगी।*

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2020-21			परिणाम 2020-21		
2020-21	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21
		2.3. रियल टाइम डाटा अधिग्रहण प्रणाली की संस्थापना- स्टेशनों की संख्या जहां आर एवं एम कार्य किया गया है।	968	3. रीयल टाइम आधार पर डाटा एकत्रित करना	3.1. रियल टाइम आधार पर सभी 1093 हाइड्रोलॉजिकल अवलोकन स्थलों से संग्रहित डाटा। (पूर्ण/अपूर्ण)	पूर्ण
		2.4. रियल टाइम डाटा अधिग्रहण प्रणाली की संस्थापना- अतिरिक्त स्टेशनों की संख्या जहां इन्हें स्थापित किया जा चुका है।	125			
		2.5. सीडब्ल्यूसी का प्रयोग करते हुए आप्लावन पूर्वानुमान के स्टेशनों की संख्या- गूगल के सहयोग से बढ़ाया जाना है।	20	4. बाढ़ के विभिन्न स्तरों पर जल मग्नता का अनुमान लगाना।	4.1. आप्लावन पूर्वानुमान 20 स्टेशनों के लिए जारी किया गया। (पूर्ण/अपूर्ण)	पूर्ण

4. भूजल प्रबंधन और विनियमन (जीडब्ल्यूएम एवं आर) - (केंद्र सेक्टर स्कीम):

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रूपए)	निर्गम 2020-21			परिणाम 2020-21		
2020-21	**निर्गम**	**संकेतक**	**लक्ष्य 2020-21**	**परिणाम**	**संकेतक**	**लक्ष्य 2020-21**
290.00 (सकल)	1. भूजल संसाधनों की सततता सुनिश्चित करने के लिए जलभृत मानचित्र और प्रबंधन योजनाएं तैयार करना	1.1. कुल क्षेत्र (लाख वर्ग किमी.) जिसके लिए जलभृत मानचित्र और प्रबंधन योजना तैयार की गई है।	3	1. भूजल संसाधनों के स्थाई प्रबंधन के लिए सुधार किया गया डाटा/सूचना और जानकारी आधार	1.1. भूजल के स्थाई प्रबंधन के लिए डाटा/सूचना और जानकारी आधार साझा करने के लिए और स्टेकहोल्डरों का सजग करने के लिए आयोजित किए गए आउटरीच कार्यक्रमों की संख्या	50
	2. भूजल स्तर और गुणवत्ता एवं आकलन की स्थिति	2.1. सीजीडब्ल्यूबी के मॉनीटरिंग नेटवर्क के द्वारा भूजल स्तरों की मॉनीटरिंग की आवृत्ति (एक वर्ष में कितनी बार किया जाना)	4	2. देश में भूजल की स्थिति की सूचना शामिल करते हुए भूजल मॉनीटरिंग रिपोर्ट राज्य विभागों के साथ साझा करना	2.1. कितनी बार सूचना को अद्यतन किया गया और भारत-डब्ल्यूआरआईएस वेब पोर्टल के माध्यम से राज्य सरकार के विभागों के साथ साझा किया गया।	4
		2.2. सीजीडब्ल्यूबी के मॉनीटरिंग नेटवर्क के द्वारा भूजल गुणवत्ता की वार्षिक मॉनीटरिंग	1 (वर्ष के दौरान एक बार किया जाना)			
		2.3. वर्ष 2020 के लिए देश का डायनामिक भूजल संसाधन आकलन	1			

**2020-25 की अवधि के लिए प्रस्तावित जीडब्ल्यूएम और आर स्कीम के अंतर्गत स्प्रिंगशैड मानचित्रण और संवेदनशील स्प्रिंग के पुनरूद्धार को जलभृत मानचित्रण घटक के अंतर्गत शामिल किया गया है और वर्ष 2020-21 के लिए 11 स्प्रिंगशैड के लक्ष्य को प्रस्तावित किया गया है।*

5. राष्ट्रीय जल विज्ञानी परियोजना (एनएचपी) - (केंद्र सेक्टर स्कीम):

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रूपए)	निर्गम 2020-21			परिणाम 2020-21		
2020-21	**निर्गम**	**संकेतक**	**लक्ष्य 2020-21**	**परिणाम**	**संकेतक**	**लक्ष्य 2020-21**
200.00	1. एकीकृत जल संसाधन सूचना प्रणाली को सुदृढ़ करना	राष्ट्रीय जल सूचना केंद्र		1. जल संसाधनों के प्रबंधन के लिए जल संसाधन सूचना का विस्तार	1.1. जल डाटा ऑनलाईन के लिए अतिरिक्त स्टेशनों की संख्या।	1000
		1.1. जल डाटा आनलाइन के साथ डिजिटल जल स्तर रिकार्डर्स (डीडब्ल्यूएलआर) को शामिल करते हुए अतिरिक्त हाइड्रोमैट स्टेशनों की संख्या।	1000		1.2. 7 नए डैशबोर्ड के साथ सुधरी हुई जल संसाधन सूचना प्रणाली, बेहतर एनालिटिक्स. वर्षा, जलाशयों, नदी केंद्रों, मृदा नमी और वाष्पोत्सर्जन के लिए डैशबोर्ड विकसित किए गए। (i) भूजल (ii) जल गुणवत्ता	हां
		1.2. डैशबोर्ड का विकास- मौजूदा वैबसाइट पर जोड़े गए डैसबोर्डों की संख्या।	7			
		1.3. जैनरिक स्टेट का विकास- डब्ल्यूआरआईएस-उत्पादः इंडिया वरिस के साथ समेकन और ज्यादातर राज्यों	1		1.3. बेसिनों की संख्या- हाईड्रोलॉजिक अध्ययनों के लिए विस्तार।	1

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रूपए)	निर्गम 2020-21			परिणाम 2020-21		
2020-21	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21
		के प्रसांगिक स्तरों में संशोधन।				
		1.4. जल आडिट फ्रेमवर्क का विकास- उत्पादः इंडिया वरिस के साथ समेकित जल संसाधनों की योजना और प्रबंधन के लिए डीएसएस टूल का संवर्धन।	1		1.4. बेसिनों की संख्या-गाद अध्ययन।	1
	2. हाइड्रो-मेट डाटा आधार को केंद्रीकृत करना	2.1. संस्थापित हाइड्रोमैट प्रणालियों की संख्या।	लक्ष्य निश्चित नहीं किए जा सकते। [4]	2. नेटवर्क को मजबूत करना	2.1. सुदृढ़ किए गए हाईड्रोमैट मॉनीटरिंग प्रणालियों के साथ राज्यों की संख्या	5[5]
		2.2. एजेंसियों की संख्या	5			
	3. संस्थाओं को सुदृढ़ करना	3.1. अतिरिक्त डाटा केंद्रों की संख्या।	4	3. जल संसाधन व्यवसायिकों के लिए	3.1. डब्ल्यूआर व्यवसायिकों के लिए क्षमता निर्माण	200

[4] *5 राज्यों (1800 केंद्र) में आरटीडीएस के लिए संविदाएं देना, निष्पादन प्रगति पर है*

[5] *5 और राज्यों के लिए आरटीडीएएस संविदाएं दी जाएगी (1000 केंद्र) 2 एससीएडीए प्रणालियां*

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रूपए)	निर्गम 2020-21			परिणाम 2020-21		
2020-21	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21
		3.2. प्रशिक्षण की संख्या	30	बढ़ी हुई क्षमता निर्माण		
		3.3. कार्यशाला की संख्या	2			
		3.4. सम्मेलन की संख्या	1			
	4. आप्लावन पूर्वानुमान स्थापित करना	4.1. बेसिन में डीईएम का अर्जन	30000 वर्ग किमी. के लिए 0.5 एम डीईएम का अधिग्रहण	4. बाढ़ पूर्वानुमानों के लिए विस्तृत तैयारी	4.1. परीक्षण आप्लावन सलाह के लिए शामिल किया गया क्षेत्र (वर्ग किमी.)	4000
		4.2. बेसिनों में आप्लावन जांच अनुमान	2			

6. अवसंचरना विकास (आईडी) - (केंद्र सेक्टर स्कीम):

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रूपए)	निर्गम 2020-21			परिणाम 2020-21		
2020-21	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21
50.00	1. आईडी स्कीम के नए प्रस्तावित	1.1. सीडब्ल्यूसी के भवनों/ सेवाओं के निर्माण/नवीकरण	2	1. निर्माण कार्य पूरा होने पर कार्य का बेहतर माहौल। निर्माण कार्य	1.1. कर्मचारियों का संतोष स्तर बढ़ाया गया।	लक्ष्य निश्चित नहीं किए जा सकते। [6]

[6] *आधार लाइन पर संतुष्टि का स्तर, जनता के सर्वेक्षण में निर्धारित किया जाएगा और बाद के वर्षों में उनमें सुधार के लक्ष्य उचित रूप से निर्धारित किए जाएंगे।*

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रूपए)	निर्गम 2020-21			परिणाम 2020-21		
2020-21	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21
	ईएफसी ज्ञापन में दो विभिन्न स्थानों पर भवनों का निर्माण/नवीकरण और सीडब्ल्यूसी की सेवाएं जारी रखना।	की संख्या		पूरा होने पर मासिक किराए में बचत।		
	2. आईडी स्कीम के नए प्रस्तावित ईएफसी ज्ञापन में चार अलग स्थानों पर भवनों का और सीडब्ल्यूसी की सेवाओं के निर्माण को जारी रखना।	2.1. सीडब्ल्यूसी के भवनों/ सेवाओं के निर्माण/नवीकरण की संख्या	4		1.2. ब्याज दरों (रूपए) के आधार पर मासिक किराए के भुगतान पर मासिक बचत।	लक्ष्य निश्चित नहीं किए जा सकते।
	3. सीजीडब्ल्यूबी के भवनों और सेवाओं का निर्माण एसएफसी में	3.1. निर्मित किए गए सीजीडब्ल्यूबी के भवनों/सेवाओं की संख्या।	6			

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रूपए)	निर्गम 2020-21			परिणाम 2020-21		
2020-21	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21
	यथा अनुमोदित तीन अलग-अलग स्थानों पर किया जाएगा।					
	4. आईडी स्कीम के प्रस्तावित ईएफसी ज्ञापन में सीजीडब्ल्यूबी के भवनों और सेवाओं का निर्माण 4 अलग-अलग स्थानों पर किया जाएगा।	4.1. निर्मित किए गए सीजीडब्ल्यूबी के भवनों/सेवाओं की संख्या।	4			
	5. विभाग में लगभग 12 कमरों का नवीकरण।	5.1. विभाग में नवीकृत किए गए कमरों की संख्या। (सीजीओ ब्लॉक-11 और विभाग के श्रम शक्ति भवन में)	12			

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रूपए)	निर्गम 2020-21			परिणाम 2020-21		
2020-21	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21
	6. विभाग के अंतर्गत सभी अधीनस्थ कार्यालयों में ई-आफिस का कार्यान्वयन।	6.1. विभाग के अंतर्गत सभी अधीनस्थ कार्यालयों में ई-ऑफिस का कार्यान्वयन। (90 प्रतिशत से अधिक फाइलों पर कार्रवाई) (हां/नहीं)	हां	2. ई-ऑफिस के कार्यान्वयन के बाद फाईलों का तेजी से निपटान।	2.1. अधीनस्थ कार्यालयों में ई-ऑफिस का प्रयोग करने वाले कार्मिकों का प्रतिशत (संख्या)।	लक्ष्य निश्चित नहीं किए जा सकते।.[7]
	7. विभाग के अंतर्गत 6 संगठनों में ई-एचआरएमएस का कार्यान्वयन।	7.1. संगठनों की संख्या जहां ई-एचआरएमएस कार्यान्वित किया गया।	6	3. मानव संसाधनों की बेहतर मॉनीटरिंग।	3.1. ऑनलाइन एपीएआर, आनलाइन छुट्टी प्रबंधन प्रणाली, डिजिटल की गई सेवा पुस्तिकाओं आदि के लिए ई-एचआरएमएस के अंतर्गत पंजीकृत संगठनों में कार्यरत कार्मिकों का प्रतिशत।	लक्ष्य निश्चित नहीं किए जा सकते।

7. अटल भूजल योजना- (केंद्र सेक्टर स्कीम):

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रूपए)	निर्गम 2020-21			परिणाम 2020-21		
2020-21	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21

[7] *बेस लाइन पर संतुष्टि का स्तर जनता के सर्वे के दौरान निर्धारित किया जाएगा, आने वाले वर्षों में उनमें सुधार के लक्ष्य उचित रूप से निर्धारित किए जाएंगे।*

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रूपए)	निर्गम 2020-21			परिणाम 2020-21		
2020-21	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21
200.00	1. सुधरी हुई भूजल मॉनीटरिंग और डाटा का प्रसार।	1.1. मॉनीटरिंग कुओं की संख्या।	लक्ष्य निश्चित नहीं किए जा सकते।	1. जनता के बीच स्थानीय भूजल की स्थिति के बारे में जागरूकता में सुधार।	1.1. उन ग्राम पंचायतों की संख्या, जिनमें जागरूकता में सुधार के साथ समुदाय शामिल हैं।	1670
		1.2. प्रकाशित की गई ब्लॉक-वार भूजल रिपोर्टों की संख्या।	लक्ष्य निश्चित नहीं किए जा सकते।			
	2. समुदाय के नेतृत्व में जल सुरक्षा योजनाएं (तैयार की गई/अद्यतन की गई)।	2.1. अंतिम रूप दी गई और अनुमोदित की गई जल सुरक्षा योजनाओं की संख्या।	लक्ष्य निश्चित नहीं किए जा सकते।	2. उपलब्ध जल का सतत विकास सुनिश्चित करने के लिए व्यापक योजनाएं।	2.1. अनुमोदित जल सुरक्षा योजनाओं के साथ ग्राम पंचायतों की संख्या।	1670
	3. चालू/नई स्कीमों को मिलाकर जल सुरक्षा योजनाओं का सार्वजनिक वित्त पोषण।	3.1. एकीकरण के माध्यम से कार्यान्वित किए गए कार्यों की संख्या (अनुमोदित जल सुरक्षा योजना के अनुसार)।	615	3. सतत जल प्रबंधन में सहायता के लिए उपलब्ध निधियों का इष्टतम प्रयोग।	3.1. चालू स्कीमों के अंतर्गत कार्यों का एकीकरण सुनिश्चत करते हुए ग्राम पंचायतों की संख्या।	615
	4. ड्रिप/स्प्रिंकलर	4.1. ड्रिप/स्प्रिंकलर सिंचाई के अंतर्गत क्षेत्र में वृद्धि।	लक्ष्य निश्चित नहीं किए जा सकते।	4. कृषि में जल प्रयोग दक्षता में सुधार।	4.1. ड्रिप/स्प्रिंकलर सिंचाई के अंतर्गत क्षेत्रों मे वृद्धि।	लक्ष्य निश्चित नहीं किए जा सकते।

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रूपए)	निर्गम 2020-21			परिणाम 2020-21		
2020-21	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21
	5. फसल विविधीकरण (हेक्टेयर क्षेत्र)	5.1. फसलों में विविधता के साथ क्षेत्र में वृद्धि।	5000		4.2. फसलों में विविधता के साथ क्षेत्र में वृद्धि। (हेक्टेयर में)	5000
	6. फीडर अलग करने के साथ ब्लॉक।	6.1. ब्लॉकों की संख्या।	5		4.3. कृषि के लिए समर्पित पॉवर फिडर के साथ ब्लॉकों की संख्या।	5

8. अनुसंधान एवं विकास और राष्ट्रीय जल मिशन (एनडब्ल्यूएम) - (केंद्र सेक्टर स्कीम):

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रूपए)	निर्गम 2020-21			परिणाम 2020-21		
2020-21	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21
कुल : **60.00** **(**आर एवं डी: **50.00,** एनडब्ल्यूएम: **10.00)**	**क) अनुसंधान एवं विकास (आर एवं डी):**					
	1. बढ़ता हुआ अनुसंधान एवं विकास आधार।	1.1. प्रकाशित हुई अनुसंधान/तकनीक रिपोर्ट की संख्या	200	1. स्वदेश में विकसित प्रौद्योगिकी प्रयोग में सुधार, अधिकारियों की बढ़ी हुई क्षमताएं	1.1. क्षमता निर्माण सत्रों अतिरिक्त सुविधाओं और सृजित की गई अनुसंधान अवसंरचना में प्रशिक्षित व्यक्तियों	लक्ष्य निश्चित नहीं किए जा सकते।
		1.2. प्रकाशित अनुसंधान पेपर की संख्या	290			

वितीय परिव्यय (करोड़ रूपए)	निर्गम 2020-21			परिणाम 2020-21		
2020-21	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21
		1.3. प्रशिक्षण और कार्यशालाएं	40	और व्यापक अनुसंधान आधार का उपयोग।	की संख्या।	
		1.4. रिमोट सेंसिंग पद्धति के द्वारा जलाशयों में अवसादन का मूल्यांकन - "आरएफपी की तैयारी के लिए भारत के 50 जलाशयों में अवसादन निर्धारण" (किया गया/नहीं किया गया)	किया गया		1.2. तकनीकी रिपोर्ट और अनुसंधान पेपर के उच्च प्रभाव की संख्या (साइटेशन पर आधारित) तकनीकी सिफारिशों के लिए जगहों की प्लानिंग और जल संसाधन संरचना के डिजाइन, जल बचाव/संरक्षण/ खेती के लिए तकनीकों, जल प्रयोग सुगम्यता, एकीकृत जल संसाधन प्रबंधन, हाइडॉलिक डिजाइन, जलवायु परिवर्तन इत्यादि अध्ययन बचाव में मदद करेंगे।	लक्ष्य निश्चित नहीं किए जा सकते।
		1.5. रिमोट सेंसिंग तकनीक द्वारा जलाशयों में अवसादन का अनुमान। आऊटसोर्स किए गए	23			

वितीय परिव्यय (करोड़ रूपए)	निर्गम 2020-21			परिणाम 2020-21		
2020-21	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21
		1.6. रिमोट सेंसिंग तकनीक द्वारा जलाशयों में अवसादन का अनुमान। - इनहाऊस अध्ययन	3			
		1.7. देश के महत्वपूर्ण जलाशयों में अवसादन का निर्धारण हाइड्रोग्राफिक सर्वेक्षण के द्वारा जलाशयों में होता है। जलाशयों की संख्या जहां हाइड्रोग्राफिक अध्ययन किए गए हैं।	30			
		1.8. भारत में नदियों का आकृतिमूलक अध्ययन - आकृतिमूलक अध्ययन का बचा हुआ कार्य	किया गया			

वितीय परिव्यय (करोड़ रूपए)	निर्गम 2020-21			परिणाम 2020-21		
2020-21	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21
		(आईआईटी दिल्ली द्वारा शामिल किए गए अंतिम रिपोर्ट का प्रस्तुतिकरण) (किया गया/नहीं किया गया)[8]				
		1.9. भारत में नदियों का आकृतिमूलक अध्ययन - आकृतिमूलक 10 नदियों के अध्ययन का तैयारी का प्रस्ताव (किया गया/नहीं किया गया)	किया गया			
		1.10. भारत में आकृतिमूलक नदियों का अध्ययन- नदियों की संख्या जिसके लिए क्रास सेक्सन किया गया है।	17			

[8] *पूर्व वित वर्ष से लंबित*

वितीय परिव्यय (करोड़ रूपए)	निर्गम 2020-21			परिणाम 2020-21		
2020-21	**निर्गम**	**संकेतक**	**लक्ष्य 2020-21**	**परिणाम**	**संकेतक**	**लक्ष्य 2020-21**
	ख) राष्ट्रीय जल मिशन (एनडब्ल्यूएम)					
	1. जल सेक्टर के लिए राज्य विशेष कार्य योजनाएं तैयार करना।	1.1. तैयार की गई राज्य विशेष कार्य योजनाओं की संख्या।	लक्ष्य निश्चित नहीं किए जा सकते।	1. राज्य जल बजट को तैयार करना।	1.1. स्टेटस रिपोर्ट की तैयारी (किया गया/नहीं किया गया)	किया गया
		1.2. राज्यों की संख्या जिसके साथ एमओयू हस्ताक्षरित किए गए हैं।	7			
		1.3. 13 राज्यों और यूटी के लिए पहली किश्त जारी किया जाना (किया गया/नहीं किया गया)	किया गया		1.2. 14 राज्यों के लिए अंतरिम रिपोर्ट और एसएसएपी योजनाएं (किया गया/नहीं किया गया)	किया गया
		1.4. 19 राज्यों/यूटी से पहली स्टेज रिपोर्ट की प्राप्ति (हां/नहीं)	हां			
		1.5. 5 राज्यों और यूटी के लिए दूसरी किस्त को जारी किया जाना	किया गया		1.3. जल संसाधन प्रबंधन प्रणाली के विकास के लिए राज्यों, संघीय प्रदेशों का नीति सुझाव	किया गया

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रूपए)	निर्गम 2020-21			परिणाम 2020-21		
2020-21	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21
		(किया गया/नहीं किया गया)			(किया गया/नहीं किया गया)	
		1.6. एसएसएपी की रिपोर्ट की समीक्षा करने के लिए संचालन समिति का गठन (किया गया/नहीं किया गया)	किया गया			
	2. मानव संसाधन विकास और क्षमता निर्माण।	2.1. की गई जल वार्ताओ की संख्या	12	2. जल संरक्षण/जल उपयोग दक्षता के लिए विभिन्न हितधारकों की क्षमता निर्माण	2.1. जल प्रयोग दक्षता और जल संरक्षण के लिए ट्रेन्ड किए जाने वाले शेयरधारकों की संख्या	10,000
		2.2. संवेदनशील राज्यों में की गईकार्यशालाओं की संख्या	8			
		2.3. की गई गए राष्ट्रीय कार्यशालाओं की संख्या	4			
		2.4. किए गए मानव संसाधन विकास और कैपेसिटी बिल्डिंग ट्रेनिंग प्रोग्राम की संख्या	30			

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रूपए)	निर्गम 2020-21			परिणाम 2020-21		
2020-21	**निर्गम**	**संकेतक**	**लक्ष्य 2020-21**	**परिणाम**	**संकेतक**	**लक्ष्य 2020-21**
	3. बेसलाईन अध्ययन और बैंचमार्क परियोजनाओं के लिए जल उपयोग दक्षता राष्ट्रीय ब्यूरो (एनबीडब्ल्यूयूई) की स्थापना।	3.1. एनबीडब्ल्यूयूई की स्थापना। (किया गया/नहीं किया गया)	किया गया	3. चुनिंदा सिंचाई परियोजनाओं में जल प्रयोग दक्षता की समझ में वृद्धि करना और उसका आगे विकास करने के लिए अपेक्षित उपाय।	3.1. पूर्ण रूप से कार्यरत एनबीडब्ल्यूयूई और सिंचाई सेक्टर (वृहत/मध्यम सिंचाई परियोजनाएं) में डब्ल्यूयूई का अनुमान। (किया गया/नहीं किया गया)	किया गया
		3.2. सिंचाई क्षेत्र में जल प्रयोग दक्षता के निर्धारण के लिए आधार रेखा अध्ययन की अंतिम रिपोर्ट की संख्या	21			
		3.3. पूरी की गई प्रदर्शनी/बैंचमार्किंग /पायलेट परियोजनाओं की संख्या।	लक्ष्य निश्चित नहीं किए जा सकते। [9]	4. जल संरक्षण के लिए और प्रदूषण कम करने के लिए आधुनिक और नई प्रौद्योगिकियां प्रदर्शित करना।	4.1. परियोजना प्रदर्शनियों की संख्या जहां मसौदे की अंतिम रिपोर्ट तैयार की गई और जल संरक्षण के लिए प्रौद्योगिकी के कार्यान्वयन के लिए सिफारिशें की गईं। (किया गया/नहीं किया गया)	किया गया

[9] *4 जल सघन औद्योगिक सैक्टरों (थर्मल, वस्त्र, पेपर एवं पल्प और स्टील) की औद्योगिक बैंचमार्किंग अध्ययन की एक अंतिम रिपोर्ट जिसमें 24 केस स्टडी शामिल हैं।*

9. राष्ट्रीय नदी संरक्षण योजना (गंगा बेसिन के अतिरिक्त) - (केंद्र प्रयोजित स्कीम):

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रूपए)	निर्गम 2020-21			परिणाम 2020-21		
2020-21	**निर्गम**	**संकेतक**	**लक्ष्य 2020-21**	**परिणाम**	**संकेतक**	**लक्ष्य 2020-21**
220.00	1. अशोधित सीवेज को नदियों में जाने से रोकने के लिए सीवरेज प्रणालियों का निर्माण।	1.1. निर्मित किए गए सीवर नेटवर्क की लंबाई (किमी.)	150	1. नदियों में प्रदूषण में कमी।	1.1. बीओडी लोड को नदी तक पहुंचने से रोकना (औसतन एमएलडी/दिन)	लक्ष्य निश्चित नहीं किए जा सकते। (सीपीसीबी/एसपीसीबी डाटा के आधार पर वास्तविक रिपोर्ट आनी है।)
		1.2. निर्मित सीवेज शोधन क्षमता (एमएलडी)	155 एमएलडी सीवेज शोधन क्षमता निर्मित की जानी है।	2. नदियों से निकासी को रोकने के लिए अपशिष्ट जल का पुनः प्रयोग और पुनर्चक्रण।	2.1. कृषि, औद्योगिक और घरेलू मांग को पूरा करने के लिए शोधित किए गए अपशिष्ट जल के पुनः प्रयोग और पुनर्चक्रण की मात्रा (एमएलडी)।	
		1.3. शोधित अपशिष्ट निपटान की लंबाई और निर्मित की गई पुनः प्रयोग प्रणाली (किमी.)।	2000 मिलीमी. डायमीटर 2 किमी लंबाई।	3. संचार एवं संपर्क कार्य।	3.1. संचार एवं संपर्क गतिविधियों के माध्यम से संपर्क किए गए लोगों की संख्या।	लक्ष्य निश्चित नहीं किए जा सकते।
	2. संचार और संपर्क कार्य	2.1. अभियानों की संख्या।	4			
	3. लागत और लगने वाले अधिक समय का मूल्यांकन	3.1. पूरा किए जा चुके सिविल निर्माण कार्यों के साथ परियोजनाओं की	1			

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रूपए)	निर्गम 2020-21			परिणाम 2020-21		
2020-21	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21
	करने के लिए परियोजना को पूरा करने की स्थिति।	संख्या।				
		3.2. पूरा किए जा चुके मैकेनिकल कार्यों के साथ परियोजनाओं की संख्या।	1			

10. नदी बेसिन प्रबंधन (आरबीएम) - (केन्द्रीय क्षेत्र स्कीम):

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रूपए)	निर्गम 2020-21			परिणाम 2020-21		
2020-21	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21
200.00	**क. जल संसाधन विकास का अनुसंधान - राष्ट्रीय जल विकास अभिकरम *(एनडब्ल्यूडीए):***					
	1. निविदा जारी करना और संविदा प्रदान करना /	1.1. केन-बेतवा फेज-I और II के लिए निविदा जारी करना और अनुबंध प्रदान	किया गया	1. सभी एक दूसरे से जुड़ी नदी परियोजना केवल लंबी अवधि में सीसीए, विद्युत सृजन और जल उपलब्धता वृद्धि के	1.1. केन-बेतवा फेज-I और II परियोजना (पूरी होने पर) क) सीसीए हे. में: एमपी: 653368 यूपी : 251064 कुल: 904432	लक्ष्य निश्चित नहीं किए जा सकते। [11]

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रूपए)	निर्गम 2020-21			परिणाम 2020-21		
2020-21	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21
	डीपीआर की तैयारी और कार्य / पोस्ट डीपीआर क्रियाएं	करना : एमओईएफ और सीसी से स्टेज-।। के लिए फॉरेस्ट क्लियरेंस प्राप्त करना (किया गया/नहीं किया गया)		परिणाम उपलब्ध कराएंगे।[10]		
		1.2. केन-बेतवा फेज-। और ।। के लिए निविदा जारी करना और अनुबंध प्रदान करना: एमपीआर, यूपी के बीच जल बंटवारे को लेकर सामंजस्य स्थापित करने/क्रियान्वयन के लिए प्रयास जारी हैं। (किया गया/नहीं	किया गया		1.2. केन-बेतवा फेज-I और II परियोजना (पूरी होने पर)पेयजल वितरण कुल :228.9 एमसीएम यूपी और एमपी के 62.94 लाख लोगों के लिए	लक्ष्य निश्चित नहीं किए जा सकते।

[11] इस परियोजना के लागू होने पर इसके लाभ दिखेंगे जैसाकि परिणाम संकेतक में प्रस्तुत किया गया है।

[10] सभी निर्माण कार्य कानूनी अनुमति के बाद शुर होंगे और इसमें 6 से 8 साल लगभग लगेंगे। इसलिए परिणाम कोई आईएलआर परियोजना के लागू होने के बाद शुरू होंगे।

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रूपए)	निर्गम 2020-21			परिणाम 2020-21		
2020-21	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21
		किया गया)				
		1.3. केन-बेतवा फेज-। और ।। के लिए निविदा जारी करना और अनुबंध प्रदान करना:माननीय सुप्रीम कोर्ट के सीईसी को इस संबंध के अवलोकन में जांच करने की आवश्यकता है। (किया गया/नहीं किया गया)	किया गया		1.3. केन-बेतवा फेज-I और II परियोजना (पूरी होने पर) ग) विद्युत सृजन : 103 मे.वा. (हाइड्रो) : 27 मे.वा.(सोलर) कुल ऊर्जा उत्पादन :130 मे.वा.	लक्ष्य निश्चित नहीं किए जा सकते।
		1.4. केन-बेतवा फेज-। और ।। के लिए निविदा जारी करना और अनुबंध प्रदान करना:यदि एमपी सहमत हो तो यूपी के क्षेत्र में अतिरिक्त जल	किया गया			

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रूपए)	निर्गम 2020-21			परिणाम 2020-21		
2020-21	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21
		संग्रहण को अंतिम रूप देना है और उसी के अनुसार डीपीआर में सुधार करना है (किया गया/नहीं किया गया)				
		1.5. निविदा जारी करना और संविदा प्रदान करना : दमनगंगा-पिंजाल लिंक महाराष्ट्र और गुजरात के बीच के जल बंटवारे/लागू करने के लिए एमओयू पर हस्ताक्षर जारी है। (किया गया/नहीं किया गया)	किया गया		1.4. दमनगंगा-पिंजाल लिंक (पूरी होने पर) पेय जल वितरण - 579 एमसीएम मुंबई शहर के लिए (पिंजाल घटक को बाहर करते हुए) ख) विद्युत सृजन - 5 मे.वा.	लक्ष्य निश्चित नहीं किए जा सकते।

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रूपए)	निर्गम 2020-21			परिणाम 2020-21		
2020-21	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21
		1.6. पार-तापी-नर्मदा लिंक परियोजना की डीपीआर के मूल्यांनक को पूरा करने के लिए सीडब्ल्यूसी से बात करना। (किया गया/नहीं किया गया)	किया गया		1.5. पार-तापी-नर्मदा लिंक परियोजना (पूरी होने पर) वार्षिक सिंचाई : 2.32 हे. गुजरात के सूखा संभावित क्षेत्र में। पेयजल आपूर्ति :76 एमसीएम आदिवासी क्षेत्र में ऊर्जा उत्पादन को शामिल करते हुए :21 मे.वा.	लक्ष्य निश्चित नहीं किए जा सकते।
		1.7. गोदावरी-कावेरी लिंक परियोजना के पोस्ट डीपीआर कार्यकलाप - डीपीआर के मसौदे पर पार्टी स्टेट की टिप्पणियों पर ध्यान देना और प्रसार के लिए डीपीआर को अंतिम रूप देना। (किया गया/नहीं किया गया)	किया गया		1.6. गोदावरी-कावेरी (विकल्प) लिंक परियोजना पूरी होने पर लाभ:वार्षिक सिंचाई: 9.38 लाख हे.नगर और औद्योगिक जरूरतें: 905 एमसीएम	लक्ष्य निश्चित नहीं किए जा सकते।

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रूपए)	निर्गम 2020-21			परिणाम 2020-21		
2020-21	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21
		1.8. गोदावरी-कावेरी लिंक परियोजना के पोस्ट डीपीआर कार्यकलाप - पोस्ट डीपीआर गतिविधियां को आरंभ करना जैसे एमओयू पर हस्ताक्षर के प्रयास करना, क्लियरेंस प्राप्त करना इत्यादि। (किया गया/नहीं किया गया)	किया गया			
		1.9. डीपीआर की तैयारी और कार्य: महानदी-गोदावरी लिंक: औचित्य रिपोर्ट का प्रसार (विकल्प) बरमूल डैम ऑप्शन के साथ अध्ययन (किया गया/नहीं	किया गया		1.7. महानदी-गोदावरी लिंक (पूरी होने पर) वार्षिक सिंचाई - 4.43 लाख हे. ओड़िशा और आंध्र प्रदेश में घरेलू जल वितरण - 366 एमसीएम औद्योगिक जल आपूर्ति - 436 एमसीएम गोदावरी की ओर स्थानांतरण - 6500	लक्ष्य निश्चित नहीं किए जा सकते।

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रूपए)	निर्गम 2020-21			परिणाम 2020-21		
2020-21	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21
		किया गया)			एमसीएम आगे के लिए दक्षिण की ओर स्थानांतरण विद्युत सृजन - 960 मे.वा.	
		1.10. डीपीआर की तैयारी और कार्य: मानस-संकोश-तीस्ता-गंगा लिंक: औचित्य रिपोर्ट को अंतिम रूप देना (किया गया/नहीं किया गया)	किया गया		1.8. मानस-संकोश-तीस्ता-गंगा लिंक (पूरी होने पर) सीसीए - 6.54 लाख **हे.** असम, पश्चिम बंगाल और बिहार में विद्युत सृजन - 805 मे.वा. गुणवत्ता अंतिम सिरे तक प्रदान करने के लिए: 37913 एमसीएम	लक्ष्य निश्चित नहीं किए जा सकते।
		1.11. डीपीआर की तैयारी और कार्य: मानस-संकोश-तीस्ता-गंगा लिंक: डीपीआर की तैयारी के लिए शुरूआती कार्य (किया गया/नहीं किया गया)	किया गया			
		1.12. डीपीआर की तैयारी और कार्य: गंगा-दामोदर-	किया गया		1.9. गंगा-दामोदर-सुवर्णरेखा लिंक (पूरी होने पर) वार्षिक सिंचित क्षेत्र (लाख	लक्ष्य निश्चित नहीं किए जा सकते।

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रूपए)	निर्गम 2020-21			परिणाम 2020-21		
2020-21	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21
		सुवर्णरेखा लिंक एमएसटीजी लिंक परियोजना के एफआर को अंतिम रूप देने के बाद-दामोदर-सुवर्णरेखा और सुवर्णरेखा-महानदी लिंक परियोजना को अंतिम रूप दिया जाएगा। (किया गया/नहीं किया गया)			हे.) प. बंगाल... 7.60 बिहार..... 0.55 ओड़िशा..... 0.33 कुल: 8.40 लाख हे. जल वितरण: 1241 एमसीएम एनरूट घरेलू के लिए, औद्योगिक और लवणीय जल की जरूरतें बचे हुए जल को महानदी में स्थानांतरित किया जाना है-13965 एमसीएम और आगे के लिए दक्षिण को	
		1.13. डीपीआर की तैयारी और कार्य: सुवर्णरेखा-महानदी लिंक (किया गया/नहीं किया गया)	किया गया		1.10. सुवर्णरेखा-महानदी लिंक (पूरी होने पर) सिंचित वार्षिक क्षेत्र (हे.): प. बंगाल- 18000 ओड़िशा- 36500 कुल(हे.)- 54500	लक्ष्य निश्चित नहीं किए जा सकते।
		1.14. डीपीआर की तैयारी और कार्य: शारदा-यमुना लिंक: नेपाल में	किया गया		1.11. शारदा-यमुना लिंक (पूरी होने पर) सिंचित वार्षिक क्षेत्र (लाख हे.): यू.पी..... 3.45 उत्तराखंड...0.30	लक्ष्य निश्चित नहीं किए जा सकते।

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रूपए)	निर्गम 2020-21			परिणाम 2020-21		
2020-21	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21
		पंचेश्वर डैम की डीपीआर के अनुरूप ही शारदा यमुना लिंक परियोजना की एएफआर को संशोधित किया जाएगा। (किया गया/नहीं किया गया)			कुल: 3.75 लाख हे.	
		1.15. वेनगंगा-नालगंगा लिंक पोस्ट डीपीआर कार्य यदि महाराष्ट्र सरकार के द्वारा पोस्ट डीपीआर कार्य स्वीकारा जाता है। (किया गया/नहीं किया गया)	किया गया		1.12. वेनगंगा-नाल गंगा लिंक (पूरी होने पर): सीसीए:3.71 लाख हे. पेयजल और औद्योगिक जल आपूर्ति :429 एमसीएम	लक्ष्य निश्चित नहीं किए जा सकते।

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रूपए)	निर्गम 2020-21			परिणाम 2020-21		
2020-21	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21
		1.16. दमनगंगा के लिए डीपीआर की तैयारी (एकदारे)-गादोवरी घाटी (किया गया/नहीं किया गया)	किया गया		1.13. दमनगंगा (एकदारे)-गोदावरी घाटी लिंक परियोजना (पूरी होने पर) सीसीए: 16505 हे. घरेलू जल वितरण: 22 एमसीएम औद्योगिक जल आपूर्ति: 21 एमसीएम	लक्ष्य निश्चित नहीं किए जा सकते।
		1.17. दमनगंगा के लिए डीपीआर की तैयारी वैतरणा-गोदावरी घाटी (किया गया/नहीं किया गया)	किया गया		1.14. दमनगंगा-वैतरणा-गोदावरी घाटी लिंक परियोजना (पूरी होने पर) सीसीए: 15484 हे. पेय और औद्योगिक जल आपूर्ति: 40 एमसीएम	लक्ष्य निश्चित नहीं किए जा सकते।
		1.18. पार्वती-काली सिंध-चंबल और पूर्वी राजस्थान नहर परियोजना के एकीकरण से संबंधित अध्ययन टीएफ-आईएलआर द्वारा लिए गए	किया गया		1.15. प्रस्ताव उपलब्ध कराएगा i)राजस्थान राज्य के 13 जिलों में पेयजल वितरण ii) निहित कमांड क्षेत्र से सिंचाई के लिए 5 लाख एकड़ और स्थायीकरण के लिए 2 लाख एकड़	लक्ष्य निश्चित नहीं किए जा सकते।

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रूपए)	निर्गम 2020-21			परिणाम 2020-21		
2020-21	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21
		निर्णय के अनुसार - पीएफआर की तैयारी और इसके राजस्थान और मध्य प्रदेश के पार्टी स्टेट में प्रसार के लिए (किया गया/नहीं किया गया)				
	ख. जल संसाधन विकास स्कीम का अनुसंधान - केन्द्रीय जल आयोग *:*					
	1. जल विज्ञान, सिंचाई योजना, पर्यावरण पहलुओं, फसलों के पैटर्न, फसल के पानी इत्यादि की जरूरतों के विस्तृत सर्वेक्षण अनुसंधान और अध्ययन के बाद के लिए डीपीआर की तैयारी परियोजना: (क) काताखल सिंचाई	1.1. तलवंग हाइड्रो-इलेक्ट्रिक परियोजना (मिजोरम) की डीपीआर की तैयारी को पूरा करना। (किया गया/नहीं किया गया)	किया गया	1. जल संसाधन परियोजना के विकास और कार्यान्वयन के लिए परियोजना की विश्वसनीय विस्तृत परियोजना रिपोर्ट की तैयारी पहला कदम है (डीपीआर)।	1.1. विश्वसनीय विस्तृत परियोजना रिपोर्ट की तैयारी (डीपीआर): परियोजना उपयोग के लिए (किया गया/नहीं किया गया)	किया गया
		1.2. परियोजनाओं की डीपीआर की तैयारी के लिए जारी अनुसंधान कार्य जारी है: काताखल सिंचाई	किया गया			

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रूपए)	निर्गम 2020-21			परिणाम 2020-21		
2020-21	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21
	परियोजना (ख) तलवंग एचईपी (ग) बर्नियम एचईपी (घ) बूढ़ी-दिहांग सिंचाई परियोजना (ङ) गीला देसंग सिंचाई परियोजना	परियोजना (किया गया/नहीं किया गया)				
		1.3. परियोजनाओं की डीपीआर की तैयारी के लिए जारी अनुसंधान कार्य जारी है: बारीनियम एचईपी (किया गया/नहीं किया गया)	किया गया			
		1.4. सर्वेक्षण और अनुसंधान कार्य की शुरूआत: बूढ़ी-देहिंग सिंचाई परियोजना (किया गया/नहीं किया गया)	किया गया			
		1.5. सर्वेक्षण और अनुसंधान कार्य की शुरूआत: गेला देशांग	किया गया			

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रूपए)	निर्गम 2020-21			परिणाम 2020-21		
2020-21	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21
		सिंचाई परियोजना (किया गया/नहीं किया गया)				
		1.6. संकोश बेसिन में भूकंपीय प्रेक्षण जारी रहेंगे। (किया गया/नहीं किया गया)	किया गया	2. भूकंपीय प्रेक्षण किए जाने हैं जिससे कि परियोजनाओं के इष्टतम डिजाइन में सहायता मिलेगी।	2.1. परियोजनाओं की डिजाइन को इष्टतम बनाने के लिए उपयोग किए गए भूकंपीय प्रेक्षण (किया गया/नहीं किया गया)	किया गया
	ग. ब्रह्मपुत्र बोर्ड :					
	1. जारी/नई कटावरोधी, ड्रेनेज विकास निर्माण कार्यों को पूरा करना।	1.1. स्थानों में तट संरक्षण कार्य।	3	1. बाढ़ और कटाव के विरूद्ध बढ़ा हुआ संरक्षण, कम किया गया ड्रेनेज, संकुलन और कृषि भूमि को पुनः प्राप्त करना। कार्य करने के लिए बेहतर अवसंरचना/पर्यावरण, सुधरी हुई स्वदेशी जल प्रबंधन पद्धतियां और नदी के पास कुछ ऐतिहासिक महत्वपूर्ण स्थानों की पर्यावरणीय स्थिति का सुधार।	1.1. स्कीमों/परियोजनाओं और वैज्ञानिक और शोध कार्यों को तैयार करने के लिए एनईआर के जल संसाधन आंकड़ों हेतु एकल विंडो सुविधा। (किया गया/नहीं किया गया)	किया गया
		1.2. पूर्वोत्तर आंकड़ा जल संसाधन आंकड़ा भागीदारी केन्द्र की स्थापना। (किया गया/नहीं किया गया)	किया गया		1.2. अरुणाचल प्रदेश में अपाटानी जनजातियों की पारंपरिक प्रथाओं का उन्नयन और लोकप्रिय बनाना (किया गया/नहीं किया गया)	किया गया

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रूपए)	निर्गम 2020-21			परिणाम 2020-21		
2020-21	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21
		1.3. वैज्ञानिक प्रसार और पूर्वोत्तर क्षेत्र के स्वदेशी लोगों की जल प्रबंधन पद्धतियों का सुधार। (किया गया/नहीं किया गया)	किया गया		1.3. नागालैंड में चकेशांग जनजाति की पारंपरिक प्रथाओं को उन्नयन और लोकप्रिय बनाना (किया गया/नहीं किया गया)	किया गया
		1.4. माजुली में कमलाबाड़ी घाट का विकास। (किया गया/नहीं किया गया)	किया गया		1.4. असम में बक्सा जिले की बोडो जनजाति की पारंपरिक प्रथाओं को उन्नयन और लोकप्रिय बनाना (किया गया/नहीं किया गया)	किया गया
	2. बाढ़ नियंत्रण, तट कटाव से संबंधित नदी बेसिन मास्टर योजनाएं तैयार करना और ड्रेनेज तथा सिंचाई परियोजनाओं का	2.1. तैयार/संशोधित मास्टर प्लान की संख्या	2		1.5 अरुणाचल प्रदेश में जीरो घाटी के अलावा एक नए क्षेत्र में पारंपरिक प्रथाओं को उन्नयन और लोकप्रिय बनाना (किया गया/नहीं किया गया)	किया गया
		2.2. डीडीएस की	1		1.6 माजुली के लोगों और	किया गया

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रूपए)	निर्गम 2020-21			परिणाम 2020-21		
2020-21	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21
	सुधार। ड्रेनेज विकास स्कीम की डीपीआर तैयार करना। बहुउद्देशीय परियोजनाओं की डीपीआर तैयार करना।	संख्या डीपीआर तैयार / संशोधित			माजुली के आगंतुकों के लिए सुविधाओं में सुधार (किया गया/नहीं किया गया)	
		2.3. मध्य प्रदेश की एक परियोजना के लिए डीपीआर तैयार (हां/नहीं)	हां		1.7 जल संसाधन योजनाओं की डीपीआर तैयार करने के लिए / बाढ़ और अन्य जल संसाधन योजनाओं के संरक्षण के लिए परियोजनाओं के साथ-साथ जल संसाधनों के विकास के लिए तैयारी के संदर्भ में अनुमोदित मास्टर योजना प्रदान करना (किया गया/नहीं किया गया)	किया गया
		2.4. निहारी का प्रचालन (हां/नहीं)	हां			
		2.5. बोर्ड द्वारा सृजित परिसंपत्तियों का आर एवं एम कार्यों को जारी रखना (हां/नहीं)	हां			
		2.6. उठे हुए प्लेटफार्मों का निर्माण (हां/नहीं)	हां			
		2.7. निर्मित डीडीएस की संख्या	3			
		2.8. माजुली पर अवसंरचना निर्माण (हां/नहीं)	हां			
		2.9. निर्मित किनारों	5			

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रूपए)	निर्गम 2020-21			परिणाम 2020-21		
2020-21	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21
		और नदी प्रशिक्षण कार्यशालाओं की संख्या				

11. मानव संसाधन विकास और क्षमता निर्माण (एचआरडी-सीबी) - (केन्द्रीय क्षेत्र स्कीम):

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रूपए)	निर्गम 2020-21			परिणाम 2020-21		
2020-21	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21
50.00	क) **नेरीवालम, तेजपुर**:					
	1. क्षमता निर्माण, जागरूकता कार्यकलाप और शोध और विकास के लिए सहायता।	1.1. आयोजित राष्ट्रीय प्रशिक्षणों की संख्या	55	1. बढ़ी हुई जागरूकता, जल संसाधन व्यवसायियों के ज्ञान/कौशल को बढ़ाना	1.1. भूजल प्रबंधन में प्रशिक्षत कार्मिकों की संख्या	100
		1.2. आयोजित अंतर्राष्ट्रीय प्रशिक्षणों की संख्या	01			
		1.3. आयोजित संगोष्ठियों/ कार्यशालाओं/ सम्मेलन/विशेष दिवसों की संख्या	06		1.2. प्रकाशकों की संख्या	06
		1.4. आयोजित आउटरीच	05		1.3. स्थायी जल प्रबंधन में	1,950

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रूपए)	निर्गम 2020-21			परिणाम 2020-21		
2020-21	**निर्गम**	**संकेतक**	**लक्ष्य 2020-21**	**परिणाम**	**संकेतक**	**लक्ष्य 2020-21**
		कार्यकलापों की संख्या जैसे विज्ञापनों को शामिल करते हुए मीडिया अभियान, बाह्य प्रचार, इलेक्ट्रॉनिक मीडिया अभियान, प्रदर्शनियों इत्यादि की संख्या.			प्रशिक्षित कार्मिकों की संख्या	
		1.5. जनजातीय क्षेत्रों/बच्चों के लिए आयोजित विशेष अभियानों की संख्या	06		1.4. स्थायी जल प्रबंधन के लिए प्रणालियों/सर्वोत्तम रीतियों के संबंध में जागरूकता सृजन कार्यकलापों के माध्यम से शामिल की गई जनजातीय जनसंख्या की संख्या	600
	ख) केन्द्रीय जल आयोग और राष्ट्रीय जल अकादमी (एनडब्ल्यूए),पुणे*:*					
	1. क्षमता निर्माण, जागरूकता कार्यकलाप और शोध और विकास के लिए सहायता।	1.1. आयोजित राष्ट्रीय प्रशिक्षणों की संख्या- एनडब्ल्यूए	32	1. बढ़ी हुई जागरूकता, जल संसाधन व्यवसायियों के ज्ञान/कौशल को बढ़ाना	1.1. स्थायी जल प्रबंधन में प्रशिक्षित कार्मिकों की संख्या - एनडब्ल्यूए	800
		1.2. आयोजित राष्ट्रीय प्रशिक्षणों की संख्या - सीडब्ल्यूसी	10		1.2. स्थायी जल प्रबंधन में प्रशिक्षित कार्मिकों की संख्या- सीडब्ल्यूसी	100
		1.3. आयोजित अंतर्राष्ट्रीय प्रशिक्षणों की संख्या	2		1.3. स्थायी जल प्रबंधन के लिए प्रणालियों/सर्वोत्तम रीतियों के संबंध में जागरूकता सृजन कार्यकलापों के माध्यम से शामिल की गई जनजातीय	लक्ष्य निश्चित नहीं किए जा सकते।

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रूपए)	निर्गम 2020-21			परिणाम 2020-21		
2020-21	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21
					जनसंख्या की संख्या	
		1.4. प्रशिक्षण के मैनवीक	1,750		1.4. अन्य राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय एजेंसियों द्वारा आयोजित कार्यशाला/संगोष्ठी/सम्मेलनों में सीडब्ल्यूसी के अधिकारियों को प्रतिनियुक्ति पर भेजना	80
		1.5. जनजातीय क्षेत्रों/बच्चों के लिए आयोजित विशेष अभियानों की संख्या	1		1.5. आईआईटी, रूड़की में एक वर्ष का पीजी डिप्लोमा का पाठ्यक्रम	1
		1.6. अन्य राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय एजेंसियों द्वारा आयोजित कार्यशाला/संगोष्ठी/सम्मेलनों में सीडब्ल्यूसी के अधिकारियों को प्रतिनियुक्ति पर भेजना	20			
		1.7. आईआईटी, रूड़की में एक वर्ष के पीजी डिप्लोमा के पाठ्यक्रम के लिए भेजे गए अधिकारियों की संख्या	4			

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रूपए)	निर्गम 2020-21			परिणाम 2020-21		
2020-21	**निर्गम**	**संकेतक**	**लक्ष्य 2020-21**	**परिणाम**	**संकेतक**	**लक्ष्य 2020-21**
	ग) राजीव गांधी राष्ट्रीय भूजल प्रशिक्षण एवं शोध संस्थान *(एनजीडब्ल्यूटीआरआई):*					
	1. क्षमता निर्माण, जागरूकता कार्यकलाप और शोध और विकास के लिए सहायता।	1.1. आयोजित राष्ट्रीय प्रशिक्षणों की संख्या	130	1. बढ़ी हुई जागरूकता, जल संसाधन व्यवसायियों के ज्ञान/कौशल को बढ़ाना	1.1. स्थायी जल प्रबंधन में प्रशिक्षित(राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय) कार्मिकों की संख्या	7,700
		1.2. आयोजित अंतर्राष्ट्रीय प्रशिक्षणों की संख्या	02		1.2. प्रकाशकों की संख्या	05
		1.3. भूजल क्षेत्र में अनुसंधान और विकास अध्ययनों से उत्पन्न रिपोर्टों की संख्या	02			
	घ*) जल संसाधन, नदी विकासऔर गंगा संरक्षण मंत्रालय का प्रशिक्षण:*					
	1. बढ़ी हुई जागरूकता, जल संसाधन व्यवसायियों तथा जल संसाधन आयोजना, विकास और प्रबंधन के क्षेत्र में गैर तकनीकी स्टाफ के ज्ञान और कौशल का उन्नयन, उसके	1.1. नए तैनात किए गए अधिकारियों/कर्मचारियों के लिए अनुकूलन प्रशिक्षण आयोजित करना (ii) कार्य के स्थान पर इनहाउस/ऑन द जाब प्रशिक्षण आयोजित करना (iii) विषय आधारित प्रशिक्षण के लिए अधिकारियों/कर्मचारियों को भेजना (iv) सीएसएस, सीएसएसएस, आईएसटीएम	30 से अधिक प्रशिक्षण कार्यक्रम	1. बढ़ी हुई जागरूकता, जल संसाधन व्यवसायियों तथा जल संसाधन आयोजना, विकास और प्रबंधन के क्षेत्र में गैर तकनीकी स्टाफ के ज्ञान और कौशल का उन्नयन, उसके द्वारा भारत में जल संसाधनों के स्थायी विकास और संरक्षण में योगदान करना।.	1.1. इस क्षेत्र में प्रशिक्षित कार्मिकों की संख्या	200 से अधिक

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रूपए)	निर्गम 2020-21			परिणाम 2020-21		
2020-21	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21
	द्वारा भारत में जल संसाधनों के स्थायी विकास और संरक्षण में योगदान करना।	और अन्य संवर्ग संस्थानों में केन्द्रीय स्टाफिंग स्कीम के विभिन्न स्तर के अधिकारियों के लिए अनिवार्य प्रशिक्षण कार्यक्रम (v) अधिकारियों/कर्मचारियों को कम अवधि के प्रशिक्षण पर भेजना जैसे नेतृत्व विकास, तनाव प्रबंधन, एएससीआई, आईआईएम में आचार विचार और मूल्यों का प्रशिक्षण (vi) एनआईएच, रूड़की, एनडब्ल्यूए, पुणे और नेरीवालम, तेजपुर में जल क्षेत्र के संबंध में उच्च कम्प्यूटर पाठ्यक्रम, ई-ऑफिस, ई-गवर्नेंस प्रशिक्षण।				
	ङ) **आईईसी**:					

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रूपए)	निर्गम 2020-21			परिणाम 2020-21		
2020-21	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21
	1. "अखिल भारतीय आधार पर जल संरक्षण से संबंधित मुद्दों के संबंध में जनजागरूकता"	1.1. कार्यशाला/संगोष्ठी इत्यादि	12	1. बढ़ी हुई जागरूकता, जल संसाधन और संरक्षण के क्षेत्र में ज्ञान और कौशल का उन्नयन।	1.1. उन व्यक्तियों की संख्या जिन तक ऐसे कार्यक्रम के लाभ पहुंच गए हैं।	लक्ष्य निश्चित नहीं किए जा सकते। [12]
		1.2. विज्ञापन (प्रिंट मीडिया)	10			
		1.3. सेमिनार/सम्मेलन/विशेष दिवस आयोजित करना	10			
		1.4. इलेक्ट्रॉनिक मीडिया, रेडियो+ टीवी के माध्यम से प्रचार	5			
		1.5. रेडियो जिंगल/वीडियो स्पॉट/टीवीसी इत्यादि तैयार करना	5			
		1.6. प्रदर्शिनी/मेले और प्रतियोगिताओं में भाग लेना	7			
		1.7. बच्चों के लिए इवेंट/कार्यक्रम	1			
		1.8. बाह्य प्रचार	1			
		1.9. जनजातीय क्षेत्रों में जनजागरूकता कार्यकलाप	2			

[12] *लाभ प्राप्त करने वालों की ठीक-ठीक संख्या रिपोर्ट करना व्यवहार्य नहीं है क्योंकि अखबार के विज्ञापन/मासिक मैगजीन/रेडियो जिंगल/स्पॉट जैसे कार्यकलाप साधारणतया लोगों में जागरूकता का सृजन करते हैं।*

*****